

प्रेषक,

मोहम्मद शाहिद,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

समाज (अल्पसंख्यक) कल्याण अनुभाग-3 देहरादून

दिनांक 29 दिसम्बर, 2014

विषय-वित्तीय वर्ष 2014-15 में उधमसिंहनगर जनपद के जसपुर ब्लॉक में महिला डिग्री कालेज के भवन निर्माण हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक, अपने पत्रांक-1142 नि.स.क./एम.एस.डी.पी./डी.पी.आर./14-15 दिनांक 12.11.2014 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करे, जिसके द्वारा जनपद उधमसिंह नगर के ब्लॉक जसपुर में महिला डिग्री कालेज के भवन निर्माण हेतु उ०प्र० राजकीय निर्माण निगम द्वारा गठित आंगणन का प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है। भारत सरकार के शासनादेश संख्या- 3/20(3)/2013-पी०पी०-1 दिनांक 19.09.2014 की छायाप्रति संलग्न करते हुए अवगत कराना है कि भारत सरकार के शासनादेश दिनांक 19.09.2014 के साथ संलग्न परिशिष्ट-1 की तालिका-2 पर महिला डिग्री कालेज के निर्माण हेतु कुल ₹ 333.00 लाख अनुमोदित करते हुए केन्द्रांश ₹ 223.11 लाख में से प्रथम किस्त के रूप में ₹ 111.56 लाख की धनराशि अवमुक्त की है।

इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद उधमसिंह नगर के जसपुर ब्लॉक में महिला डिग्री कालेज के भवन निर्माण हेतु कार्यवाही संस्था "उ०प्र० राजकीय निर्माण निगम लि०" द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव पर टी०ए०सी० द्वारा आंगणन के तकनीकी परीक्षणोपरान्त सस्तुत लागत ₹ 333.59 लाख (सिविल कार्य हेतु ₹ 298.01 लाख तथा अधिप्राप्ति नियमावली के अनुसार कराये जाने वाले कार्य हेतु ₹ 37.58 लाख) के कम में भारत सरकार द्वारा योजनान्तर्गत कार्य की अनुमोदित लागत को दृष्टिगत रखते हुये वर्तमान में ₹ 36.99 लाख उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अनुसार + सिविल कार्य हेतु ₹ 298.01 लाख अर्थात् कुल धनराशि ₹ 333.00 लाख (₹ तीन करोड़ तैंतीस लाख मात्र) की आंशिकपूर्ण धनराशि पर वित्तीय एवं प्रशासनिक अनुमोदन प्रदान करते हुये वित्तीय वर्ष 2014-15 में भारत सरकार द्वारा अवमुक्त प्रथम किस्त ₹ 111.56 लाख (₹ एक करोड़ ग्यारह लाख छप्पन हजार मात्र) एवं राज्यांश 54.94 लाख (₹ चवन लाख चौरानवे हजार मात्र) कुल ₹ 166.50 लाख (₹ एक करोड़ छियासठ लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त कार्य हेतु वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15 दिसम्बर, 2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर कार्यवाही संस्था से एम०जी०यू० अवश्य हस्तक्षरित करा लिया जाये। उक्तानुसार निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण कराकर भवन विभाग को हस्तान्तरित करा लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। उक्त सम्बन्धित भारत सरकार के स्वीकृति आदेश दिनांक 19.9.2014 में दिये गये निर्देशों एवं एम०एस०डी०पी० के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
2. उ०प्र० राज० नि० निगम द्वारा एम०जी०यू० में निर्धारित समय के अंतर्गत भवन कार्य प्रत्येक दशा में पूर्ण कर भवन हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पन्न करा ली जाये।

3. परीक्षण के सन्दर्भ में नियोजन विभाग से समन्वय कर, परीक्षण सम्पन्न कराते हुए कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित की जायेगी एवं उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय कार्यदायी संस्था को देय सेंटेंज धार्जज से वहन किया जायेगा। गुणवत्ता परीक्षण आख्या शासन को भी प्रेषित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
4. उक्त अधिदित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए। कार्य हेतु पूर्व अनुक्त धनराशि के पूर्व संतोषजनक व्यय विषयक आख्या प्राप्त होने पर ही वर्तमान में स्वीकृत धनराशि आहरित/व्यय की जायेगी।
5. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुये नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय अन्य नई मदों में कदापि नहीं किया जायेगा। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिसके लिये स्वीकृत किया जा रहा है। आगणन में प्राविधानित व्यय करने से पूर्व उक्त हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 में निहित उपबन्धों का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जायेगा। अव्ययित अवशेष धनराशि राजकोष में जमा किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। यदि अधिप्राप्ति नियमावली के अन्तर्गत अधिक धनराशि की आवश्यकता पड़ती है तो उच्च शिक्षा विभाग के सुसंगत लेखा शीर्षकों/मदों से इसकी पूर्ति सुनिश्चित करायी जायेगी।
6. आगणन में उल्लिखित दशों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृति/अनुमोदित दशों को जो दर सिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से की गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
7. एक मुक्त प्राविधान के कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
8. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुये एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दश/विशिष्टों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाय।
9. आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
10. यदि स्वीकृति राशि में स्थल विकास कार्य सम्मद न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, स्वीकृत राशि से अधिक कदापि व्यय न किया जाए।
11. कार्य की प्रगति की निरन्तर समीक्षा करते हुये कार्य को समयबद्ध ढंग से शीघ्र पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। जीपीओ डब्ल्यू फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
12. स्वीकृत उक्त धनराशि कार्यदायी संस्था को अनुक्त करने से पूर्व प्रसंगत योजना हेतु भूमि की उपलब्धता की पुष्टि करनी आवश्यक होगी। किसी भी दशा में भूमि उपलब्ध होने से पूर्व उक्त स्वीकृत धनराशि जारी न की जाय।
13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-15 के लेखाशीर्षक-2250-अन्य सामाजिक सेवाएं-800-अन्य व्यय-01-केंद्रीय आयोजनागत/केंद्र पुरोनिधानित योजनाएं-01-अल्पसंख्यकों हेतु मल्टी सेक्टरल विकास योजना के मानक मद-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।
14. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 259 (P) XXX*3) 2014-15 दिनांक 24.12.2014 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति तथा जलोटमेंट आई.डी. संख्या-S1412150281 दिनांक 27 दिसम्बर, 2014 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(मोहम्मद शाहिद)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या- 1139 / XVII-3/14-07(14-MSDP)/2014 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकर, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. प्रमुख सचिव/ सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी-नैनीताल।
4. जिलाधिकारी, उधमसिंह नगर।
5. महाप्रबन्धक, उ०प्र० रा० नि० नि० लि०, ई० 34 नेहरू कालोनी देहरादून।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, उधमसिंह नगर। देहरादून
7. मोडल अधिकारी, / उपसचिव (एम०एस०डी०पी०) उत्तराखण्ड शासन।
8. जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, उधमसिंह नगर।
9. एन.आई०सी. सचिवालय परिसर।
10. विभागीय आदेश पुस्तिका।

आज्ञा से,


(सोमपाल)
उप सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20142015

Secretary, Minority Welfare (S064)

आवंटन सं. संख्या - 1139/XVII-307(14MSDP)/2014

संख्या संख्या - 1115

असोसियेट जर्नल - S1412150281

आवंटन पत्र दिनांक - 27-Dec-2014

HOD Name - Director Minority Welfare (4132)

सेवा शीर्षक 2250 - अन्य सामाजिक सेवाएं

(00) -

800 - अंतर्गत

01 - आवास/पहुंच, 800 बाकी नैसर्गिक निवास योजना (80)

01 - केन्द्रीय आवास/पहुंच केन्द्र पुनर्निर्माणित योजनाएं

आवंटन सं. का नाम

एवं में जारी

वर्तमान में जारी

Plan Voted

योग

21 - वित्तिय आवंटन योजनाएं

63426200

16650000

80078200

63426200

16650000

80078200

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

16650000


भूपेन्द्र सिंह बोरा
अनुसचिव

आवंटन सं. कल्याण विभाग
व. आवंटन शासन